एक नजर में

दिव्यांगों को बांटे गए नि :शुल्क उपकरण

उज्जैन। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके जीवन स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से गुरुवार 6 अगस्त को आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज के फिजियोथेरेपी विभाग में नि :शुल्क प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पूर्व में चिकित्सकीय रूप से जांचे गए और पात्र पाए गए लाभार्थियों को श्रवणयंत्र, मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल और व्हीलचेयर प्रदान किए गए। भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में अतिथियों ने लाभार्थियों को उपकरण सौंपे। आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. वीके महाडिक, डीन डॉ. शिरालकर, फिजियोथेरेपी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संजीव कुमार झा, प्रोस्थेटिक्स विभाग के डॉ. संतोष झा, एलिम्को की शैली मिश्रा और फिजियोथेरेपी विभाग के डॉ. लक्ष्मण गिडवानी के हाथों इन उपकरणों का वितरण किया गया। यह पहल अस्पताल की सामुदायिक कल्याण और पुनर्वास सेवाओं के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इन उपकरणों की मदद से अब दिव्यांगजन अधिक आत्मविश्वास के साथ अपनी दैनिक गतिविधियां कर सकेंगे। नि :शुल्क सहायता मिलने पर लाभार्थियों और उनके परिजनों ने सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए अस्पताल प्रबंधन की सराहना की।

कबीर पंथ महासंघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

उज्जैन। अन्तर्राष्ट्रीय कबीर पंथ महासंघ ने कोठी पैलेस स्थित कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन अन्तर्राष्ट्रीय कबीर पंथ महासंघ के जिला एवं प्रदेश अध्यक्ष अनोखीलाल भारती के नेतृत्व में दिया गया। महासंघ ने तेलंगाना के मेडक जिले में संचालित बीफ कंपनी अल कबीर लिमिटेड के नाम से कबीर शब्द हटाने की मांग की। संगठन का कहना है कि इस नाम से देश और विदेश के करोड़ों कबीरपंथियों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं तथा संत कबीर के सम्मान के साथ खिलवाड़ हो रहा है। महंत चूड़ामणि के नेतृत्व में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि यदि तीन माह के भीतर कंपनी के नाम से कबीर शब्द नहीं हटाया गया तो देशभर में चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। अनोखीलाल भारती ने बताया कि हमारी ज्ञापन में प्रमुख मांग है कि विद्यालयों की पाठ्य पुस्तकों में कबीरदास के स्थान पर सद्गुरु कबीर साहेब लिखा जाए। कलेक्टर के प्रतिनिधि ने संगठन के पदाधिकारियों से चर्चा की और उन्होंने आश्वस्त किया कि ज्ञापन को शासन स्तर पर भेजा जाएगा। इस मौके पर दीपचंद जाटव, देवनारायण मालवीय, दरियाव सिंह गहलोत, बद्री लाल उज्जैनी सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

8 व 9 को सजेगा सक्षम हस्तशिल्प मेला

उज्जैन। महिलाओं को सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज द्वारा 8 और 9 अगस्त को रंग महल धर्मशाला में दो दिवसीय सक्षम हस्तशिल्प मेले का भव्य आयोजन किया जा रहा है। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सुरेन्द्र चतुर्वेदी ने बताया कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समाज द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं और इसी कड़ी में इस मेले का आयोजन किया गया है। आध्यात्मिक और रोजगार महिला इकाई की महामंत्री समीक्षा नवीन व्यास ने बताया कि मेले में एक ही स्थान पर हस्त निर्मित राखी, भगवान की पोशाक, ज्वेलरी, गोबर से निर्मित गिफ्ट आइटम, रेजिन से बनी गिफ्ट आइटम, सूट, साड़ी, पापड़, मसाले और चिप्स जैसी विभिन्न सामग्रियां उपलब्ध रहेंगी। इसके साथ ही यहां एक फूड झोन भी होगा। आयोजकों ने शहरवासियों से महिला सशक्तिकरण के इस सार्थक प्रयास को सफल बनाने के लिए मेले में आवश्यक रूप से पधारने का अनुरोध किया है।

डॉक्टर स्पेशल संगीतमय संध्या आज

उज्जैन। शहर के कालिदास अभिरंग नाट्य गृह में आज शुक्रवार 7 अगस्त को सुर-ताल म्यूजिकल ग्रुप के तत्वावधान में डॉक्टर स्पेशल संगीतमय संध्या का आयोजन किया जाएगा। शाम 6 .30 से रात 10 बजे तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी अपने सुरों से शाम को सजाएंगे। आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि उज्जैन के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. अशोक पटेल उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के निर्देशक हिर्देश आचार्य हैं तथा आयोजन के संयोजक डॉ. दिनेश सिसोदिया और डॉ. सपना शर्मा हैं। इस संगीतमय संध्या में शहर के कई चिकित्सक और अधिकारी अपनी सांगीतिक प्रस्तुतियां देंगे। इनमें डॉ. विजय मरमट, डीएन सतनामी, मनीष दीक्षित, महेश नागर, पूजा चिंचोलीकर और वैभवी सुनीता शामिल हैं।

रोशनी ग्रामीण और सीमा बनीं शहर अध्यक्ष

उज्जैन। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल ने मध्य प्रदेश महिला सेवादल के संगठनात्मक ढांचे में बदलाव करते हुए 13 नई जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की है। इसमें उज्जैन से रोशनी आदित्य नामदेव को ग्रामीण जिलाध्यक्ष और सीमा पटेल को शहर अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन की मजबूती, महिला नेतृत्व के विस्तार और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में इसे एक अहम कदम माना जा रहा है। यह नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं। नवनियुक्त अध्यक्षों को बधाई देते हुए पार्टी पदाधिकारियों ने विश्वास जताया है कि नई टीम अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन को नई दिशा और गति प्रदान करेगी। पार्टी का मानना है कि इन नियुक्तियों से सेवा, समर्पण और संघर्ष की परंपरा सशक्त होगी और जिले में महिला सेवादल नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर बूथ स्तर तक मजबूत होगा।

नगर निगम के जिम्मे दूध का कर्ज, बाल गृह बंद होने से नया मर्ज

महिलाओं और मासूमों की सुविधा ताला, रूम से सामान शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू, पार्षदों एमआईसी सदस्य ने जताई नाराजगी

उज्जैन। नगर निगम परिसर में महिलाओं और छोटे बच्चों की सुविधा के लिए संचालित महिला-बाल गृह को अचानक बंद किए जाने की कार्रवाई शुरू होने से निगम की गलियारों में चर्चा और असंतोष का माहौल बन गया है। मुख्य द्वार के समीप संचालित इस केंद्र से सामान हटाया जा रहा है, वहीं यहां कार्यरत महिला कर्मचारियों को भी अन्य स्थानों पर भेजने की तैयारी की जा रही है। इस निर्णय को लेकर कई जनप्रतिनिधियों ने सवाल उठाए हैं और मामले को नगर निगम आयुक्त के समक्ष रखने की बात कही है।

एमआईसी सदस्य रजत मेहता ने नवभारत से चर्चा में कहा कि नगर निगम में प्रतिदिन सैकड़ों महिलाएं अपने छोटे बच्चों के साथ विभिन्न कार्यों के लिए आती हैं। ऐसे में महिला-बाल गृह उनके लिए बड़ी राहत का केंद्र था। रजत मेहता ने कहा कि यदि किसी प्रशासनिक कारण से वर्तमान स्थान की आवश्यकता है तो महिलाओं और बच्चों की इस महत्वपूर्ण सुविधा को पूरी तरह समाप्त करने के बजाय किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। इस संबंध में नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा से चर्चा कर वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने का आग्रह किया जाएगा।

छोटे बच्चों को दूध पिलाती-झूले खिलौने और वॉल पेंटिंग

यहां महिलाएं अपने बच्चों को सुरक्षित वातावरण में बैठा सकती थीं, उन्हें दूध पिला सकती थीं, आराम करा सकती थीं और आवश्यक होने पर खिलाने-पिलाने की व्यवस्था भी कर सकती थीं। इससे महिलाओं को अपने शासकीय कार्य बिना किसी परेशानी के पूरे करने में सुविधा मिलती थी। पार्षद मेहता ने बताया कि महिला-बाल गृह दो कमरों में संचालित था। यहां बच्चों के लिए आकर्षक वॉल पेंटिंग बनाई गई थीं, झूले और खिलौने रखे गए थे। महिलाओं के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था, फीडिंग की सुविधा, शौचालय, पेयजल, पंखे और कूलर जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध थीं। बच्चों की देखरेख के लिए महिला कर्मचारियों की भी नियुक्ति की गई थी।

बंद करना समझ से परे-महिलाओं और बच्चों को होगी परेशानी

इधर, नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर महिला कर्मचारियों ने भी इस निर्णय पर आश्चर्य जताया। उनका कहना है कि यह केवल बच्चों के लिए ही नहीं बल्कि नगर निगम आने वाली बुजुर्ग महिलाओं और अन्य महिला आगंतुकों के लिए भी सम्मानजनक प्रतीक्षा स्थल था। यहां छोटे बच्चे सुरक्षित माहौल में खेलते थे, महिलाएं आराम से बच्चों को दूध पिलाती थीं। नगर निगम परिसर में महिला-बाल गृह को बंद किए जाने की सूचना के बाद जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों के बीच यह चर्चा भी तेज हो गई है कि यदि यह सुविधा समाप्त होती है तो महिलाओं और छोटे बच्चों को भविष्य में किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

अलखधाम मल्टी के बाहर के तारों को अंडरग्राउंड शिफ्ट करें : महापौर

महापौर ने अलखधाम शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया

उज्जैन। अलखधाम स्थित निर्माणधीन मंशापूर्ण शॉपिंग कॉम्प्लेक्स जिसमें 118 दुकानों के साथ 30 ऑफिस है जिसकी लागत राशि रुपए लगभग 10 करोड़ है। जिसका निर्माण नगर निगम द्वारा किया जा रहा है। गुरुवार को महापौर मुकेश टटवाल ने संबंधित कंसलटेंट एजेंसी एवं निगम अधिकारियों के साथ प्रचलित कार्य का निरीक्षण किया गया एवं निगम अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के शेष कार्य को शीघ्र पूर्ण करें।

महापौर ने निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को निर्देशित किया कि शेष कार्यों को गति से पूर्ण करें। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य लगभग पूर्णता की ओर है जो भी शेष कार्य रिक्त हैं जिसमें फिनिशिंग, फ्रंट वर्क, लिफ्ट लगाने के कार्य इत्यादि ऐसे छोटे-छोटे कार्यों को अगस्त तक पूर्ण किया जाए। साथ ही शॉपिंग कंपलेक्स की जो 56 दुकाने एवं ऑफिस रिक्त हैं उनके लिए भी विज्ञप्ति जारी की जाए। साथ ही कॉम्प्लेक्स की ड्राइंग डिजाइन, सूचना पटल, फ्लेक्स के माध्यम से नागरिकों को जानकारी प्रदान करें। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य डॉ. योगेश्वरी राठौर, रजत मेहता, कार्यपालन यंत्री जगदीश मालवीय, सहायक यंत्री निर्झर शुक्ला एवं संबंधित कार्य के ठेकेदार कंसलटेंट उपस्थित रहे।

साड़ी का फंदा बनाकर युवक ने लगाई फांसी

उज्जैन। कचौरी-समोसे की दुकान लगाने वाले युवक ने साड़ी का फंदा गले में डाल लिया। बच्चों ने लटका देखा तो शोर मचाया पापा मर गये। पडोसी दौड़कर आये और युवक को फंदे से उतारा। सांस चलने पर उसे चरक अस्पताल लाया गया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी। मामला महिदपुर की गणेश चौपाटी है। जहां से शाम को पवन पिता दयाराम भोई 30 साल को उपचार के लिये चरक अस्पताल लाया गया था। उसकी हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने आईसीयू में भर्ती किया। परिजनों ने बताया कि पवन कचोरी-सोमसे की दुकान लगता है। उसके तीन बच्चे है, पत्नी मजदूरी करती है। शाम को बच्चों ने उसे फंदे पर लटका देखा तो शोर मचाया पापा मर गये, आवाज सुनकर आसपास के रहने वाले पहुंचे और तत्काल महिदपुर अस्पताल लाया गया। खबर मिलते ही मजदूरी पर गई पत्नी, भाई और मां अस्पताल पहुंच गये। डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने पर उज्जैन चरक अस्पताल रैफर किया। परिजनों का कहना था कि शराब का नशा करता है। पत्नी का कहना था कि कई बार शराब पीने से मना किया लेकिन मारपीट पर उतारू हो जाते थे।

बदमाश ने झपटी सोने की चेन स्नेचिंग

उज्जैन। फव्वारा चौक पर रात 11 बजे बाइक सवार दो बदमाशों ने चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दे दिया। दंपति कोतवाली थाने पहुंचे और मामले की जानकारी पुलिस को दी। चेन ढाई तोला वजनी होना बताया जा रहा है। डाबरी पीठा में रहने वाले मुकेश नीमा फव्वारा चौक पर नीमा ड्रायफ्रूट दुकान संचालित करते हैं। रात 9 बजे वह दुकान बंद कर घर पहुंचे। भोजन करने के बाद प्रतिदिन की तरह रात में पत्नी मनीषा के साथ पैदल टहलने के लिए फव्वारा चौक तक आए थे। चौक का राउंड लगाकर वह 11 बजे के लगभग वापस लौट रहे थे उसी दौरान बाइक से आए दो बदमाशों ने उनकी पत्नी के गले से सोने की चेन झपटी और तेजगति से भाग निकले। रात का समय होने पर व्यवसायिक क्षेत्र पूरी तरह से बंद हो चुका था और मार्ग पर आवागमन भी काफी कम था। चेन स्नेचिंग के बाद नीमा दंपत्ति ने अपने परिचित और परिजनों को सूचना दी। दोनों वारदात की शिकायत दर्ज कराने कोतवाली थाने पहुंचे। पुलिस वारदात स्थल पर जांच करने पहुंची क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरो के माध्यम से बाइक सवार बदमाशों के भागने का रास्ता ट्रेस किया जाएगा। इन दिनों शहर में बदमाश सक्रिय दिखाई दे रहा है। कुछ दिनों पहले चिंतामण थाना क्षेत्र में आठ बदमाशों ने आभूषण व्यापारी के साथ लूट के वारदात को अंजाम दे दिया था। पुलिस ने बदमाशों को घेराबंदी में पकड़ा था। इससे पहले भी नीलगंगा थाना क्षेत्र में स्कूटी सवार भोपाल के बदमाश ने अपने दो नाबालिक साथियों के साथ लूट और चेन स्नेचिंग की वारदात के साथ चिंतामण क्षेत्र में महिला से चांदी का कंदोरा झपट लिया था।

सिंहस्थ में एआई तकनीक से 30 करोड़ श्रद्धालुओं की निगरानी

- पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

उज्जैन। सिंहस्थ महाकुंभ-2028 को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए उज्जैन पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राकेश गुप्ता, पुलिस उप महानिरीक्षक नवनीत भसीन और पुलिस अधीक्षक उज्जैन ने सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और आधुनिक तकनीक आधारित व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में पुलिस अधीक्षक ने सिंहस्थ-2028 की प्रस्तावित सुरक्षा व्यवस्था का प्रेजेंटेशन देते हुए बताया कि 9 अप्रैल से 8 मई 2028 तक प्रस्तावित महाकुंभ में करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। तृतीय अमृत स्नान पर अकेले 5 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की गई है। करीब 3 हजार हेक्टेयर में प्रस्तावित मेला क्षेत्र को 10 जोन, 40 सेक्टर और 80 थानों में विभाजित करने का प्रस्ताव है। वहीं एएनपीआर और फेसियल रिकग्निशन तकनीक से चोरी के वाहन और संदिग्ध अपराधियों की पहचान की जाएगी। कार्तिक मेला क्षेत्र में 24×7 इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित करने तथा माधव नगर और राणोजी की छत्री क्षेत्र में बैकअप कंट्रोल सेंटर बनाने की योजना भी बैठक में प्रस्तुत की गई। साइबर सुरक्षा के लिए साइबर थाना, 10 साइबर हेल्प डेस्क और 1,000 साइबर वॉरियर्स की तैनाती पर भी चर्चा हुई। यातायात व्यवस्था को लेकर आठ प्रमुख मार्गों पर विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार किया जा रहा है।

62, 950 अधिकारी कर्मचारी तैनात रहेंगे

सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगभग 62,950 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों और 500 राजपत्रित अधिकारियों की तैनाती की योजना बनाई गई है। बैठक में एआई आधारित सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर दिया गया। प्रस्ताव के अनुसार पूरे मेला क्षेत्र और शहर में 3,500 कैमरे, 416 ड्रोन, अंडरवाटर कैमरे और 2,700 से अधिक पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाए जाएंगे। एआई आधारित स्टाम्पीड अर्ली वार्निंग सिस्टम संभावित भगदड़ की पहले ही चेतावनी देगा।

सरहद के प्रहरियों को भारतीय जैन संघठना ने भेजी राखियां

उज्जैन। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भारतीय जैन संघठना द्वारा देश की सीमाओं पर तैनात वीर सैनिकों को राखियां और मिठाइयां भेजकर उनके प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त की गई। संगठन की महिला पदाधिकारियों और सदस्यों ने देश के रक्षकों को रक्षासूत्र भेजकर उनके स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जैन संघठना की शहर अध्यक्ष मनीषा ओरा, साशा जैन, ओम जैन, कल्पना सुराना, मनीषा सुराना और नीता जैन सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराते हुए शामिल हुए।

मनीषा ओरा ने बताया कि भारतीय जैन संघठन सदैव सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के कार्यों में अग्रणी रहा है। सैनिकों को राखी भेजना एक परंपरा ही नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। कार्यक्रम में लोगों ने सैनिकों के त्याग का सम्मान करने, राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने और समाज में सेवा व देशभक्ति की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। भारत माता की जय के साथ आभार माना गया।

भाई बहन का त्योहार नहीं बल्कि विश्वास

कार्यक्रम के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन का त्योहार नहीं, बल्कि विश्वास, सुरक्षा, प्रेम और अपनत्व का प्रतीक है। सैनिक कड़ाके की ठंड, भीषण गर्मी और मूसलाधार बारिश जैसी हर चुनौती का सामना करते हुए सीमाओं की रक्षा करते हैं। उनके इसी साहस और समर्पण के कारण हम सुरक्षित जीवन जी पाते हैं।

11 वर्षीय बालक की सांप काटने से मौत

- अस्पताल लाने से पहले हुई मौत, परिवार का था इकलौता

उज्जैन। लकड़ियां उठाने गए 11 साल के बच्चे को गुरुवार सुबह सांप ने काट लिया। परिवार उसे अस्पताल लेकर आता उससे पहले ही बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

चिंतामण थाना क्षेत्र के ग्राम कंडारिया में पारदी समाज का डेरा बना हुआ है। यहां रहने वाला भारत पारदी महाकाल मंदिर क्षेत्र में माला कंठी की दुकान लगता है। उसका इकलौता पुत्र तिरंगा 11 साल सुबह घर के बाहर खाना बनाने के लिए लकड़ियां उठाने गया था। जहां जहरीला सांप ने उसके हाथ पर काट लिया। बच्चे की चीख सुनकर ने परिजन और आसपास के लोग पहुंचे। सांप लकड़ियों में छुप गया। बच्चे को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। बारिश के दिनों में सांप निकालने की घटनाएं काफी बढ़ गई है। पूर्व में भी कुछ लोगों की सर्पदंश से जान जा चुकी है। अधिकांश घटना ग्रामीण क्षेत्र में होना सामने आ रहा है।

एक नजर में

51 शक्तिपीठों में शामिल माता के दरबार में अब बारिश और गर्मी से

भक्तों को सुविधा : हरसिद्धि मंदिर में लगे टीन शेड और स्टील बैरिकेड्स

उज्जैन। देश के 51 शक्तिपीठों में से एक और सम्राट विक्रमादित्य की कुलदेवी मां हरसिद्धि के मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अहम इंतजाम किए गए हैं। दर्शनार्थियों को भीषण गर्मी और बारिश से बचाने के लिए मंदिर परिसर में करीब 16 लाख रुपए की लागत से तीन टीन शेड और स्टील की जिग-जैग बैरिकेडिंग लगाई गई है। खास बात यह है कि यह पूरा कार्य श्रद्धालुओं द्वारा किए गए गुप्त दान से जनसहयोग के माध्यम से संपन्न हुआ है।

कलेक्टर के निर्देश और मंदिर के सहायक प्रशासक इंद्रेश लोधी के मार्गदर्शन में यह व्यवस्था लागू की गई है। मंदिर प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार, धूप और बारिश से बचाव के लिए करीब 7 से 8 लाख रुपए की लागत से तीन शेड का निर्माण किया गया है। वहीं, भीड़ को नियंत्रित करने और कतारबद्ध दर्शन के लिए 8 से 9 लाख रुपए की लागत से स्टील के जिग-जैग बैरिकेड्स लगाए गए हैं। नई व्यवस्था से अब भक्तों को दर्शन करने में आसानी हो रही है।

श्रद्धालुओं ने की व्यवस्था की तारीफ

प्रतिदिन माता के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं ने बताया कि पहले खुले परिसर के कारण बारिश में भीगने और गर्मी में धूप से भारी परेशानी होती थी। अब शेड और नई बैरिकेडिंग लग जाने से बिना किसी धक्का-मुक्की के शांतिपूर्ण दर्शन हो रहे हैं। बता दें कि हरसिद्धि माता मंदिर में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के साथ ही स्थानीय श्रद्धालुओं की आस्था का सैलाब नवरात्रि में उमड़ता है और यहां पर जो दीपमालिकाएं प्रज्जवलित की जाती है तो यहां की सुंदरता और बढ़ जाती है। वहीं इसी मंदिर के अंदर अनेक मंदिर स्थापित है जो कि श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। जिसमें एक गणेश मंदिर है इसके साथ ही एक प्राचीन बावड़ी है जिसे काफी सजाया गया है। वह भी श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

हजारी हनुमान मंदिर में 13 से सवा ग्यारह लाख पार्थिव पूजन

- माधवाचार्य महाराज की अध्यक्षता में
- होगा अनुष्ठान, 12 को निकलेगी कलश यात्रा

उज्जैन। मक्सी रोड पंवासा स्थित श्री हजारी हनुमान मंदिर में सावन मास के तहत 13 से 19 अगस्त तक सवा ग्यारह लाख चिंतामणी पार्थिव शिवलिंग पूजन और रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया जाएगा। अनुष्ठान की शुरुआत 12 अगस्त को शाम 4 बजे कलश यात्रा के साथ होगी।

श्री हजारी हनुमान मंदिर पंवासा के महंत काशीदास त्यागी ने बताया कि यह विशाल धार्मिक आयोजन महंत जगदीश्वरदास महाराज के आशीर्वाद से आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दाऊजी मंदिर डाकोर गुजरात और संकटमोचन विजय हनुमान टेकरी तपोवन मलाड़ मुंबई के परमाध्यक्ष जगद्गुरु टीलाद्वारा गाद्याचार्य मंगलपीठाधीश्वर, माधवाचार्य महाराज की अध्यक्षता में संपन्न होगा। मंदिर परिसर में 13 से 19 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 8.30 बजे से पार्थिव शिवलिंग निर्माण और रुद्राभिषेक का क्रम जारी रहेगा।

आयोजन में जुटेंगे देशभर के संत महंत

आयोजन में शामिल होने के लिए देशभर से संत, महात्मा, जगद्गुरु, आचार्य और महामंडलेश्वर उज्जैन आएंगे। इनके साथ ही तीनों अणी अखाड़ों, रामानंदाचार्य पीठ और सभी खालसों के श्री महंत, त्यागी और तपस्वी भी अनुष्ठान में मौजूद रहेंगे। देश भर से आने वाले सभी संतों का स्वागत महंत परमेश्वरदास त्यागी करेंगे। हनुमान टेकरी मलाड़ के रामचन्द्रदास महाराज और दाऊजी मंदिर डाकोर के श्रीनिवासदास महाराज ने अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शिवलिंग निर्माण, दर्शन और रुद्राभिषेक का पुण्य लाभ लेने का आह्वान किया है।